

राष्ट्रीय जन कांग्रेस में भारत के बारे में चर्चा की गई थी; और

(ख) क्या इस कांग्रेस में प्रेक्षक के रूप में किसी भारतीय ने भाग लिया ?

†[DISCUSSION ON INDIA AT THE SECOND NATIONAL PEOPLE'S CONGRESS OF CHINA]

169. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware that a discussion on India was held at the Second National People's Congress of China held in Peking in March, 1962; and

(b) whether any Indian attended this Congress as an observer?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री

(श्री जवाहरलाल नेहरू): (क) जी नहीं।

भारत सरकार को यह पता नहीं है कि मार्च-अप्रैल, १९६२ में जो दूसरी राष्ट्रीय लोक कांग्रेस पeking में हुई थी, उसमें भारत के विषय पर कोई चर्चा की गई थी। इस कांग्रेस के अधिवेशन गोपनीय रखे गये थे और किसी विदेशी राजनयिक अथवा गैर-राजनयिक पर्यवेक्षकों को इनमें उपस्थित होने की अनुमति नहीं थी। फिर भी, कांग्रेस की समाप्ति पर जो अधिकृत विज्ञप्ति जारी की गई थी, उसको देखने से यह पता चला कि दिसम्बर, १९६१ और मार्च, १९६२ के दौरान में चीन और भारत की सरकारों के बीच भेजे और प्राप्त किये गये २२ नोटों की और सीमा के प्रश्न पर चीन तथा भारत के सरकारी कर्मचारियों के प्रतिवेदन की प्रतियां कांग्रेस के प्रतिनिधियों को बांटी गई थी। यह मालूम नहीं कि कांग्रेस में इन प्रलेखों के वितरण के बाद कोई विचार-विमर्श हुआ या नहीं।

(ख) जी नहीं।

†[THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) No, Sir. The Government of India are not aware that there was any discussion on India at the Second National People's Congress held in Peking in March-April 1962. The sessions of this Congress were secret and no foreign diplomatic or non-diplomatic observers were allowed to attend them. However, it has been noticed from the official communiqué issued at the conclusion of the Congress that copies of 22 notes exchanged between the Chinese and Indian Governments between December 1961 and March 1962 as well as the Report of the Chinese and Indian Officials on the border question had been distributed to the delegates of the Congress. It is not known whether any discussion followed the circulation of these documents at the Congress.

(b) No, Sir.]

गोआ में आयात दर रोक

१७०. श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या प्रधान मंत्री यह बनाने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में गोआ में कुछ वस्तुओं का आयात बन्द कर दिया गया है; और

(ख) यदि हां, तो किस कारण से और किन किन वस्तुओं का आयात बन्द किया गया है ?

†[BÀN ON IMPORTS TO GOA]

170. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the import of some articles in Goa has recently been stopped; and

(b) If so, what are the reasons therefor and what are the articles the import of which has been stopped?

**प्रधानमंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) :** (क) और (ख) जो हा। भारत सरकार ने गोआ में मोना, मोटर गाड़ियों घड़ियों (१०० रु० से अधिक मूल्य की), सिगरेट लाइटर, ट्रान्जिस्टर रेडियो रेफ्रिजरेटर और फाउन्टेन पेन (२५ रु० से अधिक मूल्य के) के आयात पर रोक लगाई है। इनमें से कुछ वस्तुएं भारत में चोरी-छिपे लाई जाया करती थीं। गोआ में आबकाल मोटर गाड़ियों और अन्य वस्तुओं का जो स्टॉक है, वह स्थानीय आवश्यकता से ज्यादा है। इनके अलावा, यह उचित भी नहीं है कि ऐश्वर्य को इन वस्तुओं को बाहर से मंगाने पर विदेशी मुद्रा खर्च की जाये, जबकि इनमें से कुछ वस्तुएं भारत में ही बनाई जाती हैं।

†THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU). (a) and (b) Yes, Sir. The Government have banned the import of gold, automobiles, watches (of over Rs. 100 in value), cigarette lighters, transistor radios, refrigerators and fountain pens (of over Rs. 25 in value) into Goa. Some of these articles used to be smuggled into India. The stocks of automobiles and other goods presently in Goa are more than adequate for local use. Moreover, it is not considered desirable to spend foreign exchange on import of these luxury goods, some of which are manufactured in India.]

**गांधीजी की रेडियो जीवनी**

१७१. श्री भगवत नारायण भार्गव क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) गांधीजी की रेडियो जीवनी तैयार करने के उद्देश्य से जो गांधी कार्यक्रम एक

स्थापित किया गया था उसने ३१ मार्च, १९६२ तक कितना काम किया, और

(ख) क्या गांधीजी के समकालीन लोगों के सम्मरण रिकार्ड किये गये हैं; और यदि हा, तो किन किन लोगों के सम्मरण रिकार्ड किये गये हैं ?

†[RADIO BIOGRAPHY OF GANDHIJI]

171 SHRI B. N. BHARGAVA Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state

(a) the work done up to 31st March, 1962 by the Gandhi Programme Unit set up for preparing the Radio Biography of Gandhiji; and

(b) whether the memoirs of the contemporaries of Gandhiji have been recorded and if so, the names of the persons whose memoirs have been recorded?]

**सूचना तथा प्रसारण मंत्री (डा० बी० गोपाला रेड्डी) :** (क) आकाशवाणी के मुख्यालय में अलग गांधी कार्यक्रम टुकड़ी बाकायदा फरवरी, १९६२ के अन्तिम मन्ताह में ही खोली गई थी। परन्तु आकाशवाणी काफी पहले से ही गांधीजी के सम्बन्ध में कार्यक्रमों को तैयार और प्रसारित करता रहा है। अब तक इस बारे में आकाशवाणी ने जो काम किया है उसका मशिन व्यौरा, एक सूची में दिया हुआ है, जो सभा की मेज पर रख दी गई है।

(ख) पिछले कई वर्षों में गांधीजी और उनकी विचारधारा पर आकाशवाणी के सब केन्द्रों में विभिन्न भाषाओं में जिन लोगों ने ब्राडकास्ट किये हैं या जिनके सम्मरण रिकार्ड किये गये हैं, उन सब सूची तैयार करने में काफी समय लगेगा और इस में जो थम और समय लगेगा उसका उतना लाभ भी नहीं निकलेगा। फिर भी जब गांधी कार्यक्रम टुकड़ी आकाशवाणी के गांधीजी सम्बन्धी उपयोगी रिकार्डों की सूची तैयार कर लेगी, तो उसे जब मसमय देखना चाहेंगे देख सकेंगे।